एक बार द्रौपदी के कहने पर भी में गंधमादन पर्वत के उस कमल सरोवर के पास पहुंच गया था जहां हनुमानजी रहते थे हनुमानजी रास्ते में लेटे थे तो भीम ने उन्हें वहां से हटने का कहा तब हनुमानजी ने कहा कि तुम तो बलशाली हो तो तुम खुद ही मेरी पूंछ हटाकर अपना मार्ग बना लो परंतु भीम उनकी पूंछ हिला भी नहीं पाया बाद में भीम को जब यह पता चला की वे तो पवनपुत्र हनुमान हैं तो उन्होंने उनसे क्षमा मांगी